ation, the number of experts obtained from each of those countries; and the subjects in which those experts have specialised; and

(b) the names of the places where these experts were deputed?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री ए० पी० जैन) : (क) तथा (ख). पूछी हुई जानकारी का एक विवरण नत्थी कर दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट १८, अनुपत्र संख्या १२६]

†[THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN): (a) and (b). A statement giving the requisite information is attached. [*See* Appendix XVIII, Annexure No. 126.]

केन्द्रीय गन्ना समिति द्वारा स्थापित समिति

१३१२. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दूसरी योजना में गन्ना विकास योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिये जो एतदर्थ समिति केन्द्रीय गन्ना समिति ने बनाई है, उसके सदस्य कौन कौन हैं ; और

(ख) इस समिति का कुल खर्च केन्द्रीय सरकार ही देती है अथवा राज्य सरकारें भी ?

†[COMMITTEE SET UP BY THE CENTRAL SUGARCANE COMMITTEE

1312. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the names of the members of the *ad hoc* Committee set up by the Central Sugarcane Committee for implementing the sugarcane development schemes under the Second Plan; and

(b) whether the total expenditure of this Committee is borne by the Central Government alone or the State Governments also make any contribution?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री ए० पी० जैन) : (क) तथा (ख). भारतीय केन्द्रीय गन्ना समिति द्वारा ऐसी कोई समिति स्थापित नहीं की गई है ।

मगर उस समिति ने एक तदर्थ विशेषज्ञ उप-समिति (*Ad hoc* Expert Sub-Committee) जिसमें (१) सरदार लाल सिंह जी अध्यक्ष (२) श्री एन० एल० दत्त, निदेशक, गन्ना प्रजनन शाला, कोम्बेटूर, (३) श्री के० एल० खन्ना, भारतीय केन्द्रीय गन्ना समिति के आफिसर आन स्पेशल ड्यूटी शामिल हैं और भारत में गन्ने के अनुसंधान तथा विकास पर किये हुए कार्य का निरीक्षण करने तथा इस सम्बन्ध में कार्य के आगामी परोग्राम पर सुझाव देने के लिये स्थापित की है । इस उप-समिति का कुल खर्च भारतीय केन्द्रीय गन्ना समिति बरदाश्त करेगी ।

†[THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN): (a) and (b). No such Committee has been set up by the Indian Central Sugarcane Committee.

That Committee has, however, set up an *ad hoc* Expert Sub-Committee consisting of (i) Sardar Lal Singh, Chairman, (ii) Shri N. L. Dutt, Director, Sugarcane Breeding Institute, Coimbatore and (iii) Shri K. L. Khanna, Officer on Special Duty, Indian Central Sugarcane Committee, to review the work done so far on Sugarcane research and development in India and to suggest future programme of work in this respect. The entire expenditure of this Sub-Committee is borne by the Indian Central Sugarcane Committee.]

विभिन्न राज्यों में गन्ने के उत्पादन की लागत की पड़ताल

१३१३. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्रीय गन्ना समिति विभिन्न राज्यों में गन्ने के उत्पादन की लागत के बारे में जो पड़ताल कर रही थी, उसमें

†[ ] English translation.

अब तक कितना कार्य हो चुका है और प्रत्येक राज्य में गन्ने के उत्पादन की क्या लागत आई है ?

†[ASSESSMENT OF COST OF CULTIVATION OF SUGARCANE IN DIFFERENT STATES

1313. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state the work so far done in regard to the assessment which was being made by the Indian Central Sugarcane Committee of the cost of cultivation of sugarcane in different States and the cost of cultivation of sugarcane in each State?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री ए० पी० जैन) : गन्ने के उत्पादन की लागत मालूम करने के लिये उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, बम्बई और आन्ध्र प्रदेश के राज्यों में योजना चालू है । उत्तर प्रदेश और बिहार के एक वर्ष अथवा १९५५-५६ के अन्तिम नतीजे अब तैयार हैं और वे अब भारतीय केन्द्रीय गन्ना समिति की उत्पादन की लागत के लिये उप-समिति द्वारा विचाराधीन हैं । दूसरे तीन राज्यों से नतीजे तैयार किये जा रहे हैं । १९५६-५७ और १९५७-५८ के सीज़नों के डाटा का इकट्ठा करना तथा संतुलन भी जारी है । इनके पूरा किये जाने पर नतीजे छाप दिये जायेंगे ।

†[THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN): The scheme for finding out the cost of cultivation of sugarcane is in progress in the States of U.P., Bihar, Punjab, Bombay and Andhra Pradesh. The final results for one year (*viz.* 1955-56) for U. P. and Bihar are now ready and are being considered by the Cost of Cultivation Sub-committee of the Indian Central Sugarcane Committee. The results for the other three States are under preparation. The collection and collation of data for the seasons 1956-1957 and 1957-58 is in progress. The results will be published only after they have been completed.]

पांडिचेरी में गन्ने की फसल का विकास

१३१४. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पांडिचेरी में गन्ने की फसल के विकास की संभावनाओं के सम्बन्ध में जो सर्वेक्षण किया गया था, उसका क्या परिणाम निकला है ; और

(ख) क्या वहां गन्ने के उत्पादन के विकास की कोई योजना है ; और यदि है तो उसका ब्यौरा क्या है और वह किस प्रकार कार्यान्वित की जायेगी ?

†[DEVELOPMENT OF SUGARCANE CROP IN PONDICHERRY

1314. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the result of the survey which was conducted on the possibilities of the development of sugarcane crop in Pondicherry; and

(b) whether there is any development scheme for the cultivation of sugarcane there and, if so, the details thereof and how it will be implemented?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री ए० पी० जैन) : (क) सर्वेक्षण से पता लगा था कि २००० से ३००० एकड़ भूमि में गन्ने की खेती की जा सकती है बशर्ते कि आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कर दी जायें ।

(ख) जी नहीं । अभी तक इस सम्बन्ध में कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

†[THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN): (a) The survey revealed that 2000 to 3000 acres could be brought under

†[ ] English translation.